

गोपीराम - जागरण 4/2010

दिनांक

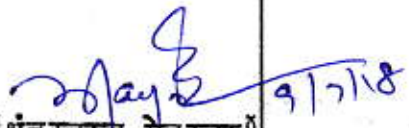
अज्ञात पत्र

9-7-18

वकुलायै फरीकैन उपस्थित । बहस उभयपक्ष सुनी गई । संक्षेप में प्रकरण के तथ्य इस प्रकार हैं कि प्रार्थी गोपीराम द्वारा इस स्थान पर आराजी ख0नं0 177 व 138 कुल कितना-2 रुबा 1.13 हैक्टर ग्राम जीवावाली टाणगि का राजकीय उच्च प्रा0 वि0 को भवन व खेल मैदान हेतु जिला कलेक्टर झुन्डुनू ने दिनांक 4-3-2008 को आवंटित कर दी। जबकि इस आराजी पर गोपीराम के पूर्वज का कब्जा कायत चला आ रहा तथा जिला में गोपीराम का कब्जा कायत है। इस कारणसे प्रार्थी के पूर्वज गणपत ने अदा किया है। इसके बाद ही जिला कलेक्टर झुन्डुनू ने प्रार्थी को बिना सुनवाई का मौका दिये इस आराजी को अलोट कर दी जिसकी अपील अदालत हाजा में की गई । जिस पर अदालत हाजा ने दिनांक 24-3-2008 को स्थगन आदेश जारी कर उक्त आराजी की रेकार्ड एवं मौके की यथास्थिति के आदेश पारित किये । अप्रार्थीगण एक राय होकर दिनांक 13-8-2009 को उक्त आराजी के चारो तरफ की तारबन्दी को उखाड दी तथा प्रार्थी को जान से मारने की धमकी दी । अप्रार्थीगण ने जानबूझकर अदालत हाजा के स्थगन आदेश का उलघन किया है

सत्यमेव जयते

Web Copy - Not Official

दिनांक	आज्ञा पत्र	
	<p>अतः अदालत हाजा के स्थगन आदेश का उलघन्न        अवमानना करने के लिये अप्रार्थीगण को कारावास        की सजा से दण्डित किया जावे ।</p> <p>प्रार्थना पत्र दर्ज रजिस्टर किया गया । अप्रार्थीगण        को जरिये सम्मन तलब किया गया । बहस सुनी गई ।        बहस बगौर समाप्त की गई । राजकीय अभिभाषक        ने बहस में कथन किया कि माननीय न्यायालय के आदेश        की कोई अवेहता नहीं की है । प्रकरण रिमाण्ड किया        जा चुका है । यदि किसी अप्रार्थी ने ऐसा किया है        तो उसके लिये माफी चाहता हूँ। प्रकरण रिमाण्ड        हो गया दोनों पक्षों को सुनकर ही निर्णय किया        जायेगा। भविष्य में न्यायालय के आदेश की कोई        अवमानना नहीं की जावेगी ।</p> <p>बहस बगौर समाप्त की गई । पत्रावली का        अवलोकन किया गया । प्रकरण में राजस्थान भू-        राजस्व अधिनियम-1956 की धारा-75 के तहत दर्ज        अपील को स्वीकार कर दोनों पक्षों को सुनवाई का        अवसर देते हुये प्रकरण का पुनः निर्णय करने हेतु        रिमाण्ड किया जा चुका है । अब प्रार्थना पत्र में अन्य        कोई कार्यवाही अपेक्षित नहीं मानते हुये यह प्रार्थना        पत्र खारिज किया जाता है । ७</p> <p>निर्णय सुनाया गया ।</p> <p style="text-align: right;">         १/१/१८        शंवरलाक मेहरजा        भू-प्रबन्ध अधिकारी एवं        पदेन राजस्व अपील प्राधिकारी        सीकर     </p>	